



भा.वा.अ.शि.प.-हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान

ICFRE-HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद
(Indian Council of Forestry Research & Education)

(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय)

(An Autonomous Body of the Ministry of Environment, Forest & Climate Change, Government of India)

मासिक अनुसंधान संगोष्ठी

भा.वा.अ.शि.प. – हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

दिनांक 30.09.2026 को आयोजित

भा.वा.अ.शि.प. – हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा मासिक अनुसंधान संगोष्ठी (Monthly Research Seminar) की श्रृंखला के तहत, "जैव विविधता संरक्षण और पारिस्थितिक सुरक्षा" (Biodiversity conservation and ecological security) थीम के अंतर्गत "हिमालय के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में वानिकी के कीटों के प्रबंधन के लिए कीटनाशक नियम और कीटनाशकों के पर्यावरण-अनुकूल विकल्प: चुनौतियाँ और शमन रणनीति" विषय पर एक व्याख्यान 30 सितंबर, 2026 को आयोजित किया गया। जिसमें डॉ. पवन कुमार, वैज्ञानिक-एफ, वन संरक्षण प्रभाग के द्वारा प्रस्तुति दी गई। इस संगोष्ठी में संस्थान के सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों, तकनीकी कर्मचारियों और अनुसंधान शोधार्थियों ने भाग लिया।

डॉ. मनीषा थपलियाल, निदेशक, भा.वा.अ.शि.प. – हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने इस मासिक अनुसंधान संगोष्ठी की कार्यवाही की अध्यक्षता की। शुरुआत में, डॉ. अश्वनी तपवाल समूह समन्वयक अनुसंधान (GCR) ने संगोष्ठी में उपस्थित विभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों, तकनीकी अधिकारियों और अनुसंधान शोधार्थियों का स्वागत किया। इसके बाद, डॉ. पवन कुमार ने उत्तर-पश्चिम हिमालय के कीटों, कीटनाशकों के उपयोग, उनके नियमों, वैश्विक और राष्ट्रीय परिदृश्य, तथा कीटनाशकों के पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों जैसे कि बायो-पेस्टिसाइड्स (जैव-कीटनाशक), जैविक नियंत्रण एजेंट (Biological Control Agents), शिकारी कीट (predators) और परजीवियों (parasitoids) आदि पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने वानिकी के कीटों के प्रबंधन में मौजूदा चुनौतियाँ और उत्तर-पश्चिम हिमालय में उनकी शमन रणनीतियों पर भी विशेष जोर दिया। प्रस्तुतकर्ता ने जैव-कीटनाशकों की पारिस्थितिक भूमिका का एक अवलोकन प्रस्तुत किया। इसके साथ ही उन्होंने भविष्य की अनुसंधान रणनीतियों, रोड मैप और नेटवर्किंग अनुसंधान विकल्पों पर भी चर्चा की। डॉ. पवन ने संगोष्ठी की चर्चा के दौरान प्रतिभागियों द्वारा उठाए गए सभी प्रश्नों और तकनीकी बिंदुओं का व्यापक रूप से समाधान किया।

In the series of Monthly Research Seminar, a talk on **“Insecticide regulations and eco-friendly alternates to insecticides: Challenges and mitigation strategy to manage the insect pests of forestry in North-West Himalaya”** under the theme **“Biodiversity conservation and ecological security”** was delivered by **Dr. Pawan Kumar, Scientist-F**, Forest Protection Division, ICFRE-HFRI, Shimla on 30th September, 2026 in the conference hall of ICFRE-HFRI Shimla. All the Scientists, Officers, Technical staff and Research Scholars of the Institute attended the seminar.

Dr. Manisha Thapliyal, Director, ICFRE- HFRI chaired the proceedings of monthly research seminar. At the outset, **Dr. Ashwani Tapwal, GCR**, ICFRE-HFRI welcomed HODs, Scientists, Technical Officers, Research Scholars present during the seminar. Thereafter, Dr. Pawan Kumar discussed insect pests of NW Himalaya, uses of Insecticide, their regulations, global and national scenario, eco-friendly alternates to insecticides i.e bio-pesticides, Biological Control Agents, predators, parasitoids, etc. He also emphasized on the existing challenges to manage the insect pests of forestry and their mitigation strategies in North-west Himalaya. The presenter offered an overview of the ecological role of bio-pesticides. He also discussed Future research strategies, Road Map, Networking research options. Dr. Pawan comprehensively addressed all queries and technical points raised by the participants during the seminar discussion.


